Raj Express (Indore), 28th September 2025, Page – 04

► आईआईटी : क्षमता विस्तार आधारभूत संरचना परियोजनाओं का शिलान्यास

624.57 करोड़ की परियोजना, अत्याधुनिक शैक्षणिक भवन, उपकरणों की होगी खरीद

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने शनिवार को क्षमता विस्तार योजना के अंतर्गत अपनी प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजना के शिलांयास समारोह के साथ एक खास उपलब्धि हासिल की। कार्यक्रम आईआईटी इंदौर के नालंदा सभागार में आयोजित किया गया और सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ओडिशा के राज्यपाल व ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी की उपस्थिति में वर्चुअल माध्यम से इसकी आधारशिला रखी। इस मौके पर मध्यप्रदेश सरकार के जल संसाधन विभाग के कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, मुख्यमंत्री की ओर से मध्यप्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए आईआईटी इंदौर में आयोजित समारोह में शामिल हुए। उच्चतर शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी के माध्यम से स्वीकृत, तृतीय चरण के आधारभूत संरचना विकास के अंतर्गत 624.57 करोड़ की इस विस्तार परियोजना में अत्याधुनिक शैक्षणिक भवनों, आवासीय सुविधाओं और सामान्य

व उपयोगिता सेवाओं के निर्माण के साथ-साथ उन्नत उपकरणों की खरीद भी शामिल है। प्रमुख परियोजनाओं में शैक्षणिक पॉड, व्याख्यान कक्ष परिसर, औद्योगिक अनुसंधान पार्क, डिजाइन विभाग, आवासीय परिसर, छात्र गतिविधि केंद्र और आगंतुक छात्रावास शामिल हैं।

कान्ह और गंभीर नदी के पुनरुद्धार के लिए कार्य: मंत्री सिलावट ने कहा, मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि आईआईटी इंदौर ऐसी दूरदर्शी परियोजनाओं के साथ अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है। नई आधारभूत संरचना छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए बेहतर अवसर प्रदान करेगी और साथ ही राज्य के समग्र विकास में योगदान देगी। मैं मध्य प्रदेश राज्य में बहने वाली नर्मदा बेसिन की 1000 किलोमीटर से अधिक लंबाई के मानचित्रण और परिसर में जल संरक्षण के लिए आईआईटी इंदौर के प्रयासों की भी सराहना करता हूं, जिससे आसपास के क्षेत्र में भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है। साथ ही आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए कान्ह और गंभीर नदी के पुनरूद्धार के लिए भी कार्य कर रही है, जिससे श्रद्धालुओं को क्षिप्रा नदी का स्वच्छ व निर्मल जल प्राप्त हो सके। आईआईटी इंदौर ने नई शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप शिक्षण और सीखने को नया रूप दिया है और अनुसंधान के बहु-विषयक क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। मध्यप्रदेश सरकार उत्कृष्टता की ओर आईआईटी इंदौर की यात्रा में पूर्ण समर्थन के लिए तैयार है।

9 जल संरक्षण इकाई

उन्होंने कहा आईआईटी इंदौर ने अपने परिसर में वर्षा जल संचयन, वन्य जीवन को बचाने और जैव विविधता में सुधार के लिए 9 जल संरक्षण इकाई विकसित की हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने जल प्रबंधन, नहर प्रणाली और ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के कई प्रयास किए हैं। इन प्रयासों को अधिक सफल बनाने के लिए हमें नई तकनीक और नवाचार की आवश्यकता है। मैं आईआईटी इंदौर के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं से आहवान करता हूं कि टिकाऊ और व्यावहारिक समाधान विकसित करें। चाहे वह जल संरक्षण के उपकरण हों, स्मार्ट सेंसर हों या पर्यावरण के अनुकूल नई तकनीक। आपकी ऊर्जा, आपका ज्ञान और आपका नवाचार ही भारत को आत्मनिर्भर और विश्वगुरु बनाएगा। आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी, डीन प्रो. पंकज सकदेव, रजिस्ट्रार शिवाप्रसाद होता व संकाय सदस्यों, छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के बाद परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया।

भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

आज दुनिया के सामने जल-संकट, पर्यावरण प्रदूषण और सतत् विकास जैसी चुनौतियां हैं। भारत जैसे देश में, जहां गांव-गांव तक जल पहुंचाना, नदियों को स्वच्छ रखना और कृषि को समृद्ध बनाना हमारी प्राथमिकता है, वहां आप जैसे तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।